सृजनात्मकता विकसित करने में अध्यापक तथा परिवार की भूमिका

(Role of Teacher and family in the Development of Creativity)

बालक का अधिकांश समय परिवार तथा विद्यालय में व्यतीत होता है। अतः उसके विकास में इन दो कारकों का सबसे अधिक योगदान रहता है। बालकों की सृजनात्मकता को विकसित करने के लिए अध्यापकों तथा परिवार के सदस्यों को निम्नलिखित बिन्दुओं पर ध्यान देने की आवश्यकता है:-

1. बालकों को स्वतन्त्रतापूर्वक सोचने एवं उन्हें स्वतन्त्र रूप से कार्य करने का अवसर प्रदान किया जाए।
2. बालक जब भी कोई प्रश्न पूछे, तो उसे हतोत्साहित न कर बल्कि उसे प्रत्येक प्रश्न का खुशी-खुशी उत्तर देना चाहिए।
3. बालकों को विभिन्न वस्तुओं की जानकारी प्राप्त करने के लिए हमेशा प्रोत्साहित किया जाना चाहिए।
4. बालकों को किसी समस्या का समाधान करने के लिए भिन्न-भिन्न विधियों को अपनाने के लिए प्रेरित किया जाना चाहिए।
5. बालकों को ऐसे स्थानों तथा कार्यशालाओं में ले जाएँ जहाँ पर उन्हें नूतन रचना करने के अवसर प्राप्त हो सकें।
6. बालकों को उन्हें सृजनशील व्यक्तियों के प्रेरक प्रसंग, दृष्टान्त, कहानी आदि सुनाया जाना चाहिए, जिससे उन्हें नवीन क्षेत्रों में कार्य करने की प्रेरणा मिले।
7. बच्चों को विज्ञान से सम्बन्धित कुछ नवीन एवं सरल प्रयोग करके दिखाये जाएँ जो रोचक तथा आश्चर्यजनक भी हों। ऐसा करने से उनमें सृजनात्मक शक्ति का विकास होता है और उनको स्थाई ज्ञान प्राप्त होता है।
8. बच्चों को खेलकूद, सांस्कृतिक कार्यक्रम, शैक्षिक भ्रमण आदि में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करें तथा उनके द्वारा किए गये कार्यों की प्रशंसा भी करें।
9. बच्चों में आत्म-विश्वास विकसित करने के लिए भरसक प्रयास किया जाना चाहिए।

P.T.O.

Scanned with CamScanner

10. परिवार तथा विद्यालय में बालक को उसकी तरह की पूर्ति करने के अवसर प्रदान किये जाने चाहिए।

11. बालकों के मौलिक एवं नवीन विचारधाराओं को स्वीकार करना चाहिए, जिससे कि वे भविष्य में वे और अधिक उत्साह एवं पूर्ण मनोयोग से कुछ नवीन कार्य का सृजन करने का प्रयास करेंगे।

12. बालकों को रेखागणित में प्रमेय तथा निर्मेय को हल करने विभिन्न तरीके बताने चाहिए जिससे उनकी सृजन शक्ति तीव्र हो सके।

13. परिवार तथा विद्यालयों को बच्चों के लिए कुछ ऐसी सामग्रियाँ जुटानी चाहिए जिससे बच्चों को कुछ नया कार्य करके सिखाने का अवसर मिल सके।

14. बालकों को थोड़ी बहुत उद्दण्डता करने, छोटा-मोटा सामान तोड़ने, कुछ चीजों को इधर-उधर करने, थोड़ी बहुत शरारत करने पर बहुत ज्यादा डाँटना-फटकारना अथवा पीटना नहीं चाहिए। ऐसा करने से उनकी सृजन शक्ति का दमन होता है।

15. बच्चों को पहेलियों के उत्तर प्रश्न कर भी उनकी सृजनशीलता को विकसित किया जाना चाहिए।

सृजनात्मकता विकसित करने में विद्यालय की भूमिका

(ROLE OF SCHOOL IN THE DEVELOPEMENT OF CREATIVITY)

विद्यालयों में सृजनात्मकता के विकास की सर्वाधिक सम्भावनाएं तथा अवसर विद्यमान रहते हैं। विद्यालय में सृजनात्मकता का विकास पाँच कारकों के संगठन पर निर्भर है। जो निम्नलिखित हैं:-

P.T.O.

Scanned with CamScanner

1. विद्यालय का वातावरण (Environment of School):-

इसके अन्तर्गत शिक्षकों तथा छात्र, दोनों को ही कार्य करना पड़ता है। विद्यालय की स्वच्छता तथा उसका सौन्दर्यीकरण आवश्यक है। छात्रों के समूह बनाकर उनकी प्रतियोगिताएँ कराई जा सकती हैं। विजेता समूह तथा छात्रों को विद्यालय की सभा के समक्ष प्रशंसा करनी चाहिए।

2. अनुशासन (Discipline):-

संस्थान की प्रतिष्ठा छात्रों तथा शिक्षक मण्डल के अनुशासन पर निर्भर करती है। छात्रों को ऐसे अवसर प्रदान किये जाने चाहिए कि उनमें अनुशासन में रहते हुए अन्य लोगों को भी अनुशासन में रखने की भावना का विकास हो सके। सेमिनार, कान्फ्रेन्स, वर्कशाप (कार्यशाला) अध्यापक - अभिभावक संघ, भाग लेना, भाग लेना, छात्र-अध्यापक आदि के माध्यम से अनुशासन का वातावरण उत्पन्न किया जाता है। छात्र-संघ, खेल दिवस, सदन प्रणाली, आचरण-संहिता, समाज सेवा, सामूहिक खेल आदि द्वारा अनुशासन का विकास किया जा सकता है। इस प्रकार छात्रों में सृजनशीलता बढ़ाई जा सकती है।

3. अध्यापक - छात्र सम्बन्ध (Relation between Teacher & Students):-

सृजनात्मकता का उचित विकास तभी सम्भव है, जबकि शिक्षक तथा छात्रों के मध्य स्नेह तथा मधुर सम्बन्ध होंगे। शिक्षक को छात्रों की सम्पूर्ण पृष्ठभूमि तथा उनकी क्षमताओं का पता लगाना चाहिए। इस कार्य के लिए प्रधानाचार्य के साथ भी सम्पर्क बनाये रखना परमावश्यक है।

4. अध्यापक - प्रधानाचार्य सम्बन्ध (Relation between - Teacher & Principal):-

छात्रों में सृजनात्मकता विकसित करने के लिए अकेले शिक्षक सफल नहीं हो सकता जबतक कि प्रधानाचार्य का पूरा सहयोग प्राप्त न हो अर्थात् शिक्षक एवं प्रधानाचार्य के बीच सम्बन्ध मधुर होने चाहिए।

P.T.O.

Scanned with CamScanner